भारतीय थल और वायु सेना का संयुक्त सैन्य अभ्यास 'शत्रुनाश'

जमीनी और हवाई दस्तों का इस्तेमाल करते हुए एकजुटता दिखाई

बीकानेर, (का.सं.)। राजस्थान के थार मरुस्थल में स्थित भारतीय सेना की महाजन फील्ड फायरिंग रेंज के अंतर्गत सेना की दक्षिण पश्चिमी कमान ने दुर्गम संयुक्त फायर पावर का परिचय देते हुए सोमवार को अभ्यास 'शत्रुनाश' को अंजाम दिया। इस एकीकृत सैन्य अभ्यास में भारतीय सेना के साथ-साथ वायुसेना भी शामिल थी, जिसमें जमीनी और हवाई दस्तों का इस्तेमाल करते हुए एकजुट तरीके से विभिन्न फायरिंग प्लेटफॉर्म्स का उपयोग किया गया।

राजस्थान के थार मरूस्थल में स्थित महाजन फील्ड फायरिंग रेंज के अंतर्गत सेना की दक्षिण पश्चिमी कमान ने दुर्गम संयुक्त फायर पावर का परिचय दिया।

आज के आधुनिक समय में मौजूद नवीन तकनीकों को मद्देनजर रखकर व्यापक और उभरते खतरों को दूर करने के लिए सेना द्वारा इस अभ्यास में अलग-अलग गतिविधियों को दर्शाया गया, जिसमें दुश्मन के इलाके में स्पेशल फोर्स गुप्त रूप से घुसकर आक्रामक जमीनी कार्यवाही करता है तथा लड़ाई के हालत और युद्ध की गतिविधियों को सभी दस्तों के साथ साझा करने का अभ्यास भी किया गया।

इस सैन्य अभ्यास के दौरान संयुक्त दस्तों और उपकरणों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया, जिसमें भीष्मा (ऊ-90टैंक), अजेया (ऊ-72टैंक), ख्9 वज्र और शरंग आर्टीगन स्पेशल फोर्स भारतीय वायुसेना के आधुनिक फाइटरजेट्स और आर्मी एविएशन के एडवांस लाइट हेलीकॉप्टर (रुद्रा) भी शामिल हुए। सैनिकों के आला दर्जे के प्रशिक्षण और तालमेल की सराहना करते हुए जनरल ऑफिसर कमांडिंग इन चीफ, सप्त शक्ति कमान, लेफ्टिनेंट जनरल ए एस भिंडर ने विभिन्न कॉम्बैट और कॉम्बैटस पोर्ट दस्तों को शाबाशी दी। उन्होंने 'आत्मनिर्भर भारत' या 'मेक इन इंडिया' के तहत शामिल की गई स्वदेशी प्लेटफॉर्म्स एवं उपकरणों की भी सराहना की।

इसके अलावा जनरल ऑफिसर कमांडिंग इन चीफ ने भविष्य में बदलते हुए हालात को मद्देनजर रखते युद्ध को सुचारू रूप से लड़ने के लिए खुद की क्षमता बढ़ाने के साथ-साथ संयुक्त युद्ध अभ्यास में महारत हासिल करने की आवश्यकता पर जोर दिया। जनरल ऑफिसर कमांडिंग इन चीफ ने सभी प्रतिभागियों को उच्च स्तर का प्रदर्शन करने के लिए बधाई दी और बेहतर ऑपरेशनल तैयारियों की दिशा में प्रयास करने का आवाहन किया।

बदमानी के डर से प्रेमी युगल की हत्या, आरोपी पुजारी गिरफ्तार

दोनों के परिवार पुजारी के संपर्क में थे, तांत्रिक से प्रेमी नाराज थे

उदयपुर, (कासं)। उदयपुर जिले में गोगुन्दा कस्बे के केलावाडी के जंगल में मिले प्रेमी युगल के शव की हत्या का पुलिस ने 72 घंटे में पटाक्षेप करते हुए मामले में पुजारी को गिरफ्तार किया। प्रेम संबधों को उजागर करने से दोनों ने पुजारी को धमकाया था। इसी के चलते पुजारी ने दोनों की हत्या कर दी।

प्रकरण के अनुसार 18 नवबर को गोगुन्दा के केलावाडी जंगल में युवक व युवती का शव पडा मिला था। दोनों अर्धनग्नावस्था में थे एवं उनके शरीर पर चोट के निशान थे। इसकी सूचना मिलने पर पुलिस ने मौके पर पहुंच कर मृतकों की शनाख्त पलोदड़ा फला पदमावत हॉल राजकीय प्रा. वि. खाना खेड़ी के अध्यापक राहुल पुत्र चतरसिंह मीणा के रूप में तथा युवती की शिनाख्त मदार निवासी सोनू कुंवर पुत्री भूरसिंह के रूप में कर मृतकों का पोस्टमार्टम करवा परिजनों को सौंप कर अंतिम संस्कार करवाया।

उदयपुर जिले में गोगुन्दा कस्बे के केलावाडी के जंगल में मिले प्रेमी युगल के शव की हत्या का पुलिस ने 72 घंटे में पटाक्षेप करते हुए पुजारी को गिरफ्तार किया।

इस मामले में प्रकरण दर्ज होने पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कुंदन कंवरिया के निर्देशन में गोगुन्दा थानाधिकारी योगेन्द्र व्यास के नेतृत्व में गठित दल ने मौके से मिले साक्ष्यों एवं परिजनों से मिली जानकारी अनुसार प्रेमी युगल की हत्या करते हुए आरोपी पादरड़ी बडी सागवाड़ा डूंगरपुर हॉल यूनिवरसिटी रोड़ एवं इच्छापूर्ण शेषनाग बावजी मंदिर भदवीगुडा के पुजारी भालेश कुमार पुत्र गणेशलाल जोशी को गिरफ्तार किया। मामले का खुलासा करने में कांस्टेबल नन्दकिशोर की विशेष भूमिका रही। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि सात आठ वर्ष से इच्छापूर्ण शेषनाग बावजी मंदिर भादवी गुडा में पुजारी हूं तथा वहां आने वाले, दुखी जनता के कष्टों के निवारण के लिए ताबीज व मणकों की माला उन्हें देता हूं। पूछताछ में आरोपी द्वारा बताया गया कि 7-8 साल से इच्छापूर्ण शेष नाग बावजी मन्दिर, भादवी गुडा में पुजारी के रूप में जनता के दुख कष्ट निवारण हेतु ताबीज व मणको की माला अपने अनुयायीयों को देता है। सोनू कुंवर के परिजन अपनी समस्याओ के चलते मेरे संपर्क में आये तथा उसकी वैवाहिक जीवन की समस्या बताई तथा मैने उनके निराकणर के लिए ताबीज बनाकर उन्हे दिए। राहुल के परिजन भी परिचित थे एवं हर रविवार को बावजी के दर्शन के लिये आते रहते थे। मंदिर में दर्शन के दौरान सोनू व राहुल में संपर्क हुआ। कुछ समय बाद पत्नी से झगडा ओर परेशानी होने राहुल के परिजनों ने संपर्क कर मुझसे इसका उपाय व समझाईश करने का कहा। मैनें इनकी हरकतो का पता कर उनके परिजनों को बताया था। जिससे दोनों मुझसे नाराज हो गए। गत चार पांच माह से मुझे बदनाम करने व कहीं का नहीं छोडने की धमकी देना शुरू कर दिया। जिससे मेरी प्रतिष्ठा खराब होने का भय सताने लगा तथा मैने दोनों को रास्ते से हटाने का प्लान बना हत्या कर दी।

आरोपी ने योजनानुसार दुकानों से फैवीक्वीक खरीद कर मंदिर में रख ली। दोनों को अंतिम बार मिलने के लिए राजी कर 15 नवंबर को शास्त्री सर्किल बुलाया। जहां से उबेश्वरजी की तरफ ले जाने के बाद दोनों ने संबंध बनाने की गुजारिश की। जहां घटनास्थल पर सबंध बनाने के दौरान फेविक्विक की बोतल उपर डालकर चाकु और पत्थर से दोनों की हत्या कर वहां से निकल गया और सामान्य व्यवहार करता हुआ अगले दिन बूंदी जिले की तरफ किसी भक्त के यहां निकल गया।

जांच कमेटी ने देखे गाजर मंडी के हालात

श्रीगंगानगर, (निसं.)। शहर के निकट गांव साधुवाली में लगने वाली गाजर मंडी में गाजर की धुलाई नहीं करने के सिंचाई विभाग के आदेश के बाद सोमवार को जांच के लिए अधिकारी मौके पर पहुंचे। एसडीएम मनोज कुमार मीणा और सिंचाई विभाग के एसई धीरज चावला ने मंडी के हालात देखे। उन्होंने किसानों से मंडी के बारे में जानकारी ली और एलएनपी नहर से कालूवाला तक नहर के हालात देखे। इस संबंध में जल्द ही एडीएम उम्मेदसिंह रतनू को रिपोर्ट दी जाएगी।

नहर पर गाजर मंडी करीब एक सप्ताह पहले शुरू की गई है। पिछले करीब साठ साल से किसान नहर किनारे खेतों में पकी गाजर धो रहे हैं। खेतों में पकी गाजर मिट्टी से सनी रहती है। धुलाई के बाद रंग और चमक दिखने लगते हैं। सिंचाई विभाग ने इस पर आपत्ति जताई। गंगनहर के एसई धीरज चावला ने श्रीगंगानगर सब्जी उत्पादक संघ के अध्यक्ष अमरसिंह को पत्र भेजकर मंडी का काम रोकने का आदेश दिया था। आदेश में कहा गया था कि नहर किनारे गाजर धुलाई से नहर में सिल्ट जमा होती है और इससे टेल के किसानों तक पानी नहीं पहुंच पाता है।

श्रीगंगानगर सब्जी उत्पादक संघ के जिलाध्यक्ष अमरसिंह का कहना है कि मौके पर जांच के लिए आए एसडीएम मनोज मीणा और गंगनहर एसई धीरज चावला को किसानों ने मंडी को चलते रहने देने का आग्रह किया है। अमरसिंह ने बताया कि उन्होंने यहां मंडी संचालन की एवज में कुछ शुल्क जमा करवाने का भी विश्वास दिलाया है।

बेकाबू निजी बस ने कांस्टेबल का सिर कुचला

निजी बसों की अनियंत्रित रफ्तार बन रही है दुर्घटनाओं का कारण

लालसोट, (निसं)। दौसा जिले में मंडावरी थाना क्षेत्र के सुरतपुरा ग्राम के पास बेपलावत की ढाणी के सामने निजी बस कैला देवी एक्सप्रेस की चपेट में आने से मोटरसाइकिल सवार पुलिस कांस्टेबल राजेंद्र मीणा की मौत हो गई। निजी बस ने एक अन्य मोटरसाइकिल चालक को भी चपेट में लिया, जिसका पांव बुरी तरह कुचल गया।

सड़क दुर्घटना में मृतक पुलिस कांस्टेबल राजेंद्र मीणा लालसोट उपखंड के झापदा थाने में कार्यरत था। सोमवार की सुबह मृतक कांस्टेबल राजेंद्र कुमार मीणा किसी जरूरी कार्य को निपटा कर थाने की तरफ जा रहा था। इसी दौरान सामने से आ रही तेज रफ्तार बेकाबू कैला देवी एक्सप्रेस निजी बस द्वारा आमने-सामने चपेट में लेते हुए मोटरसाइकिल सवार पुलिस कांस्टेबल राजेंद्र मीणा को सड़क पर ही कुचल दिया। कांस्टेबल जमीन पर गिरा एवं निजी बस का सिर के ऊपर होकर गुजर गया। इस भीषण सड़क दुर्घटना के बाद आसपास से गुजर रहे लोगों द्वारा घटना की जानकारी मंडावरी थाना पुलिस एवं 108 एंबुलेंस को दी गई। इसके बाद 108 एंबुलेंस द्वारा घायल मोटरसाइकिल सवार एवं मृतक कांस्टेबल राजेंद्र कुमार मीणा को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मंडावरी पहुंचाया गया।

दौसा पुलिस उपाधीक्षक अरविंद कुमार गोयल ने सड़क दुर्घटना में पुलिस कांस्टेबल की मौत के बाद घटना से जुड़ी जानकारी ली।

- दौसा जिले में मंडावरी थाना क्षेत्र के बेपलावत की ढाणी के सामने सड़क हादसा
- लोगों ने आरोप लगाया कि निजी बसों का संचालन ज्यादातर अवैध

घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस उपाधीक्षक अरविंद कुमार गोयल द्वारा घटनास्थल का जायजा लिया एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचकर थाना प्रभारी रामपाल मीणा से जानकारी ली। इस निजी बस की बेकाबू रफ्तार एवं अनियंत्रित परिवहन के कारण कांस्टेबल की जान जाने के बाद एवं एक अन्य मोटरसाइकिल सवार के गंभीर घायल होने के समाचार प्राप्त हुए लोगों में भारी रोष व्याप्त हो गया।

घायल एक मोटरसाइकिल सवार की हालत ज्यादा गंभीर होने के कारण मंडावरी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के चिकित्सकों द्वारा हायर सेंटर के लिए रेफर किया गया। वहीं मृतक पुलिस कांस्टेबल राजेंद्र कुमार का शव परिजनों के आने के बाद पुलिस द्वारा पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सुपुर्द कर दिया गया। सड़क दुर्घटना को अंजाम देने वाली निजी परिवहन बस कैलादेवी एक्सप्रेस को पुलिस द्वारा जप्त कर थाने में खड़ा किया गया है। दुर्घटना को लेकर थाने में मामला दर्ज कर पुलिस कानूनी कार्रवाई करने में जुटी हुई है।

लोगों का कहना है कि यह कैलादेवी एक्सप्रेस व अन्य नाम से संचालित निजी बसें परिवहन विभाग द्वारा निर्धारित गति से दोगुनी से भी ज्यादा रफ्तार में घनी आबादी वाली जगह से गुजरती है एवं अब तक इन बेकाबू निजी बसों की रफ्तार की कहर की चपेट में आने से कई मौतें हुई है एवं कई लोग गंभीर घायल हुए हैं।

लोगों ने तो आरोप लगाया कि यह निजी बसों का संचालन ज्यादातर अवैध रूप से हो रहा है, इनका परमिट कहीं जगह होकर मिला है तो संचालन कहीं दूसरी जगह से हो रहा है।

पुलिस निगरानी में बंटी खाद

वैर, (निस)। भरतपुर जिले के वैर में किसानों को खाद की किल्लत का सामना करना पड़ रहा है। जहां सोमवार को क्रय विक्रय सहकारी समिति पर खाद आने की सूचना मिली तो किसानों की भीड़ खाद लेने के लिए उमड़ पड़ा। पुलिस की मौजूदगी में 600 खाद के कट्टों का वितरण किया गया।

इसके अलावा धाकड़ खाद बीज भंडार पर 250 खाद के कट्टे वितरण किए। सहायक कृषि अधिकारी मुनीम सिंह गुर्जर ने बताया कि सोमवार को क्रय विक्रय सहकारी समिति पर 600 खाद के बैग तथा धाकड़ खाद बीज की दुकान पर 250 खाद के बैग किसानों के लिए वितरण किए गए। एसडीएम मुनिदेव यादव के निर्देशन में खाद का उचित दर पर वितरण किया। सहायक कृषि अधिकारी ने किसानों से अपील की है कि किसान आवश्यकता अनुसार यूरिया खाद खरीदें, अनावश्यक भंडारण नहीं करें। राज्य सरकार यूरिया की पर्याप्त आपूर्ति के लिए प्रतिबद्ध है।

युवक ने फांसी लगा आत्महत्या की

मदनगंज-किशनगढ, (निसं)। किशनगढ सिटी थाना अन्तर्गत नया शहर में युवक ने फांसी लगाकर मौत को गले लगा लिया। आत्महत्या किस कारण से की है फिलहाल खुलासा नहीं हो पाया। पुलिस के अनुसार नया शहर निवासी दीपक रेगर (21) ने घर में फांसी लगाकर इहलीला समाप्त कर ली। पुलिस ने मामला दर्ज कर पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया।

राजस्व अधिकारियों की कार्यशाला 23 से

- राजस्व मंडल के अधीनस्थ पीठासीन अधिकारियों के लिए तीन दिवसीय निर्णय लेखन कार्यशाला 23 नवम्बर से

अजमेर, (कासं)। राजस्व मंडल की ओर से तीन दिवसीय निर्णय लेखन कार्यशाला का आयोजन 23 से 25 नवंबर तक अजमेर के राजस्व अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान में होगा। कार्यशाला में संपूर्ण राजस्थान के अधीनस्थ न्यायालयों के पीठासीन अधिकारी भाग लेंगे।

राजस्व मंडल के अध्यक्ष राजेश्वर सिंह की नवाचारी पहल के तहत राज्य में राजस्व न्यायालयों के लिए यह दूसरी निर्णय लेखन कार्यशाला आयोजित की जा रही है। राजस्व मंडल निबंधक महावीर प्रसाद ने बताया कि कार्यशाला का शुभारंभ सत्र 23 नवंबर की सुबह 10:30 स होगा जिसकी अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष राजेश्वर सिंह करेंगे।

शुभारंभ सत्र के बाद मंडल सदस्य खजान सिंह राजस्थान काश्तकारी अधिनियम 1955 के तहत कानून एवं अधिनियम पर व्याख्यान देंगे। वहीं दोपहर पश्चात मंडल सदस्य सत्तार खान श्रेष्ठ निर्णय के लिए महत्वपूर्ण सामग्री, शाम 4 बजे मंडल सदस्य रामनिवास जाट राजस्थान भू राजस्व अधिनियम 1956 एवं राजस्थान काश्तकारी अधिनियम 1955 के अनुच्छेद 88 पर चर्चा करेंगे।

इसी प्रकार 24 नवंबर को प्रात:कालीन सत्र में राजस्व मंडल के अधिवक्ता अशोक अठावाल कानूनी विषयों पर चर्चा करेंगे। मध्याह्न सत्र में आरआरटीआई के प्रशिक्षण सलाहकार एचएसयू असनानी प्रॉपर इंप्लीमेंटेशन ऑफ प्रोसीजरल लॉज एंड रूल्स विषय पर व्याख्यान देंगे। मध्यान्ह पश्चात समस्या समाधान सत्र आयोजित होगा। दोपहर 2:30 बजे सेवानिवृत्त आरएएस अनिल कुमार वार्ष्णेय निर्णय लेखन के महत्वपूर्ण बिंदुओं पर चर्चा करेंगे।

शाम 4 बजे से सेवानिवृत्त आरएएस एनएस चौहान राजस्व न्यायालयों में नामांतरण प्रक्रिया पर विचार रखेंगे। कार्यशाला के अंतिम दिन 25 नवंबर को सुबह 10:30 से राजस्व मंडल के अधिवक्ता घनश्यामसिंह लखावत राजस्थान भू राजस्व अधिनियम 1956 के बारे में विस्तार से चर्चा करेंगे।

मध्यान्ह में आरआरटीआई के प्रशिक्षण सलाहकार एचएसयू असनानी निर्णय गुणवत्ता सुधार पर सुझाव देंगे अपराह्न सत्र में राजस्व मंडल के सदस्य सुरेंद्र कुमार पुरोहित निर्णय लेखन एवं विभिन्न विधिक प्रावधानों पर चर्चा करेंगे।

शाम 4 बजे समापन अवसर पर मंडल अध्यक्ष राजेश्वर सिंह पूर्व में आयोजित निबंध लेखन एवं निर्णय लेखन प्रतियोगिताओं के उत्कृष्ट प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र एवं पुरस्कार वितरित करेंगे। संयोजन आरआरटीआई निदेशक चेतन कुमार त्रिपाठी करेंगे।

चार बच्चों व पत्नी की हत्या कर खुद फंदे पर लटका

- गोगुन्दा कस्बे के झड़ोली गांव में एक ही परिवार के छह जनों की मौत
- अनुसंधान में आर्थिक तंगी के चलते घटना को अंजाम देना आया सामने
- घटना से गांव में फैली सनसनी, पुलिस ने जुटाए साक्ष्य

उदयपुर, (कासं)। उदयपुर जिले के गोगुन्दा कस्बे के झाड़ोल गांव में सोमवार को एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी व चार बच्चों की गला दबाकर हत्या कर खुद फांसी पर लटक आत्महत्या करने का मामला सामने आया है। इस घटना के बाद पूरे गांव में मातम छा गया। प्रारंभिक अनुसंधान में आर्थिक तंगी के चलते युवक द्वारा घटना को अंजाम देना सामने आया है।

गोगुन्दा कस्बे के झड़ोल गांव निवासी प्रकाश पुत्र सोहनलाल गमेती ने अपनी पत्नी दुर्गा, पुत्र गणेश, पुष्कर, रोशन तथा चार माह का दुधमुंहे बच्चे गंगाराम की हत्या कर दी। इसके बाद खुद ने फांसी के फंदे पर लटकर आत्महत्या कर ली। परिवार के सभी लोगों के घर के अंदर मृत मिलने और खुदकुशी करने के बाद गांव में सनसनी फैल गई। घटनास्थल के अनुसार प्रकाश ने पहले पत्नी, चार बच्चों का गला घोंट हत्या की और इसके बाद खुद फांसी पर लटक गया।

प्रकाश के घर के आंगन में सुबह चहल-पहल नहीं दिखाई देने पर पड़ौसियों ने घर के अंदर देखा तो प्रकाश और दो बच्चों के शव फांसी के फंदे पर लटके हुए थे वहीं दुर्गा व दो बच्चों के शव जमीन पर पड़े थे। प्रकाश खाना बनाने का काम करता था तथा बीते पांच माह से मानसिक संतुलन ठीक नहीं होने के साथ बीमार व परेशान चल रहा था।

सूचना पर गोगुन्दा थानाधिकारी योगेन्द्र व्यास मय जापत ने मौके पर पहुंच उच्चाधिकारियों को घटना की जानकारी दी। इस पर जिला पुलिस अधीक्षक विकास शर्मा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कुंदन कुवंरिया, प्रशिक्षु आईपीएस अभिषेक शिवहरे ने मौके पर पहुंच कर डाग स्क्वायड, एफएसएल टीम को बुलवा कर आवश्यक साक्ष्य जुटाए तथा मृतकों के शवकों को गोगुन्दा चिकित्सालय मोर्चरी में रखवाया। वहीं मृतका दुर्गा के पीहर तिरोल गांव की रोही डाल की भागल सूचना दी। पीहर पक्ष के आने पर पुलिस ने मृतकों का पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सौंप दिया।

हत्या के आरोपियों को आजीवन कारावास

धौलपुर, (नि.सं.)। करीब 3 वर्ष पुराने धौलपुर जिले के बहुचर्चित हत्याकांड में एससी एसटी कोर्ट धौलपुर के जज नरेंद्र मीणा ने फैसला सुनाया है। जिसमें भाजपा धौलपुर के पूर्व जिला अध्यक्ष बांकेलाल लोधा और उनके बेटे पूर्व सरपंच आशीष लोधा सहित 4 लोगों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई।

प्राप्त जानकारी के अनुसार लोक अभियोजक माहिर हसन रिजवी व परिवादी पक्ष के वकील सुरेंद्र कुमार शर्मा एवं मुकेश भट्ट ने बताया कि 23 नवंबर 2019 को बाबूलाल लोधा निवासी तगावली धौलपुर की गांव के पास ही खेत में जमीन के विवाद में तगावली गांव के ही निवासी भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष बांके लाल लोधा पुत्र श्यामलाल एवं उनके बेटे तत्कालीन सरपंच आशीष लोधा एवं बांकेलाल के भाई महेंद्र लोधा तथा इनके यहां कार्य करने वाले लोकमन सहित अन्य ने लाठी-डंडों से पीट पीट कर खेत में बाबूलाल की हत्या कर दी थी। इसके बाद मौके पर मामले को हत्या की जगह दुर्घटना का रूप देने के लिए ट्रैक्टर को पलटा गया था। घटनाक्रम को लेकर पीड़ित पक्ष की ओर से कोतवाली थाना धौलपुर में मुकदमा दर्ज कराया गया। जिसमें बांकेलाल लोधा, आशीष लोधा, महेंद्र लोधा व लोकमन सहित 10 आरोपियों को नामजद हत्या का आरोपी बताया गया था। लेकिन पुलिस ने जांच में बांकेलाल, आशीष, महेंद्र और लोकमन को ही हत्या का आरोपी माना तथा कोर्ट में 4 आरोपियों के खिलाफ चालाना पेश कर दिया।

हाकिम बैंसला, कैप्टन जगराम ने विजय बैंसला को अध्यक्ष नहीं माना

राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा का विरोध नहीं करने की बात कही

करौली, (नि.स.) । करौली में राजस्थान गुर्जर आरक्षण संघर्ष समिति (मूल) ने एक प्रेस वार्ता कर गुर्जर आरक्षण समिति के अध्यक्ष विजय बैंसला को अपना अध्यक्ष मानने से इनकार कर दिया है ।

हाल ही में गुर्जर आरक्षण संघर्ष समिति के प्रणेता स्व. कर्नल किरोडी सिंह बैंसला के पुत्र विजय बैंसला द्वारा कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा का विरोध करने की चेतावनी जारी की। जिसका राजस्थान गुर्जर आरक्षण संघर्ष समिति (मूल) के प्रवक्ता हाकिम सिंह बैंसला और वरिष्ठ उपाध्यक्ष कैप्टन जगराम सिंह ने सिरे से खारिज करते हुए कहा है कि गुर्जर समाज राहुल गांधी की राजस्थान में भारत जोड़ो यात्रा का विरोध नहीं करेगा, हमारी मांगें राजस्थान सरकार से है, मुख्यमंत्री अशोक गहलोत से है।

श्री महावीरजी में आगामी 24 नवंबर को मुख्यमंत्री का प्रस्तावित दौरा है, अगर तीन दिवस में सरकार हमारी मांगों को पूरा करती है तो स्वागत है, मांगे नहीं मानती है तो श्री महावीरजी में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत का काले झंडे दिखाकर विरोध किया जाएगा।

सोमवार को जिला मुख्यालय स्थित हाकिम सिंह गुर्जर के निवास पर आयोजित प्रेस वार्ता के दौरान गुर्जर आरक्षण समिति के प्रवक्ता हाकिम सिंह गुर्जर और वरिष्ठ उपाध्यक्ष कैप्टन जगराम सिंह ने संघर्ष समिति का नाम भी बदलते हुए राजस्थान गुर्जर आरक्षण संघर्ष समिति (मूल) रख दिया है। जिसे गुर्जर आरक्षण संघर्ष समिति के संयोजक कर्नल किरोड़ी सिंह बैंसला कि बताते हुए कहा कि विजय बैंसला को पुरानी और मूल आरक्षण समिति अपना अध्यक्ष नहीं मानती है। उन्होंने कहा कि कर्नल बैंसला ने अपने आवास पर विजय बैंसला को राजस्थान गुर्जर आरक्षण संघर्ष समिति की कमान सौंपी, लेकिन उनसे कहा कि 10 लोगों की कमेटी से पूछ कर काम करना। उन्होंने पुष्कर में जो घटना को अंजाम दिया, राजनीतिकरण किया। जिस सरकार ने गुर्जर आरक्षण आंदोलन को कुचला हो आंदोलनकारियों को मारा हो उन लोगों को पुष्कर में बुलाया गया। उसी दिन गुर्जर समाज ने तय कर लिया कि विजय बैंसला गुर्जर आरक्षण समिति का अध्यक्ष नहीं है, वह समाज को तोड़ने का काम कर रहे ह, राजनीति कर रहे हैं, इसलिए गुर्जर समाज विजय बैंसला को अध्यक्ष नहीं मानता।

राजस्थान गुर्जर आरक्षण संघर्ष समिति (मूल) के प्रवक्ता हाकिम सिंह बैंसला और वरिष्ठ उपाध्यक्ष कैप्टन जगराम सिंह ने प्रेसवार्ता की।

- प्रेस वार्ता कर गुर्जर आरक्षण समिति के अध्यक्ष विजय बैंसला को अध्यक्ष मानने से इनकार किया

प्रेस वार्ता के बाद गुर्जर आरक्षण समिति संघर्ष (मूल) के वरिष्ठ उपाध्यक्ष जगराम सिंह के नेतृत्व में जितेन्द्र सिंह बैसला, राजवीर सिंह गुर्जर,पार्षद दशरथ गुर्जर आदि ने कलेक्टर अंकित सिंह को 12 सूत्रीय मांगों का ज्ञापन सौंपकर मांग की है कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के प्रस्तावित दौरे से पहले हमारी 12 सूत्रीय मांगों को पूरा किया जाए, अन्यथा गुर्जर आरक्षण संघर्ष समिति व गुर्जर समाज मुख्यमंत्री का काले झंडे दिखाएगा।